पहले संस्कार ..!

फिर संसार ...!!

आओ विश्व को श्रेष्ठ बनाएं।

शहरों से दूर हरियाली के बीच जहाँ बनते है विश्वगुरु !!

वसुधैव कुटुम्बकम्

BHARAT GURUKUL TRUST

BLESSINGS

Swami Krishan Krunananda Ji

IINSPIRATION

Swami Krishan Prem Ananad Ji

आओ आने वाली पीढ़ी को उनका गौरवपूर्ण भारतवर्ष पुनः प्रदान करें।

WHERE WE ARE NOW

We are at the highest point we've been since 2010. Congratulations to everyone!

Gurukul' itself is a way of life providing a value-based system instead of today's rank based system full of comparison and enmity.

Present education system stands nowhere in the line of comparison with the ancient education system in India that is Bharat.

KNOW HOW 'GURUKULM' ARE FAR BETTER THAN THE EDUCATION SYSTEM PREVAILING TODAY.

The key goals of the gurukul system are:

- *Self-control or Mind Control*
- *Creating a character*
- *Finding his best talent inside.*
- *To attain knowledge & cultural preservation*
- *Not only Personality development but actual development.*
- *Spiritual growth towards the ONE.*
- *Preservation of Cultural & Tradition learned*

The 'Education system' of a nation determines its destiny & destination. (Rajiv Chauhan)

Guru-Shishya tradition (a strong bondage) stay away from cities was as though they were members of Gurus' Families treated similarly regardless their social status with positive relationship and mutual respect. 'Gurukuls' were not just a school to master the particular subjects. The gurukul system is ancient method of learning everything theoretically and practically both depend on individual's talent. Gurukulam is prevalent since the Vedic period. The Shishyas (disciples) were taught, Meditations, yogic exercises, physical labour, sports games, archery, martial arts, self defense in addition to science, mathematics, astrology, medical cure and many other disciplines.

Conclusion is that the ancient 'Gurukul' education system was not only a 'degree attaining program' but it was a way of life to be a complete human being to serve the society with his talent and knowledge.

PROJECTIONS

भारत गुरुकुल

(स्वामी जी का संकल्प)

मेरे प्यारे भाइयो, बहनों और साथियो:-

प्राचीन समय मे गुरुकुल की शिक्षा मे गुरु और शिष्य के बीच एक आत्मिक संबंध होता था। माता पिता अपने बच्चे को गुरु को पूरे विश्वास के साथ समर्पित कर देते थे और शायद इसीलिए गुरु का दर्जा गोविंद से भी पहले आता है ओर गुरु भी अपनी ज़िम्मेदारी समझते थे कि उनका नाम कलंकित न हो। गुरुकुलों मे सामाजिक , धार्मिक और अध्यात्मिक शिक्षा पर ध्यान केन्द्रित करते हुए शिष्य की समग्र (Holistic) शिक्षापर जोर दिया जाता था जबकि आज शिक्षा एक व्यवसाय का रूप ले चुकी है। जहां गुरु और शिष्य के बीच कोई संबंध दिखाई नहीं देता। स्कूलो को बच्चे के भविष्य की कोई चिंता नहीं होती उन्हे केवल अपने पैसे से मतलब है। दोनों के बीच केवल ग्राहक ओर दुकानदार जैसा संबंध हो गया है। और उसका परिणाम आप सभी आज कल अपने चारो ओर देख रहे है जैसे बढ़ते अपराध, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, वेमनष्य, माता-पिता की सेवा न करना, शादियो का टूटना, परिवार का विघटन, आधुनिकरण को बढ़ावा, संस्कारो की कमी और प्रेम भाव कम होना आदि।

ऐसा क्यो ....?

इसके लिए सर्वाधिक जिम्मेदार आधुनिक लक्ष्यविहीन, रोजगार विहीन शिक्षा है। लोग अपने माता पिता को व्रद्धाश्रम मे छोड़ रहे हैं। ये हम किधर जा रहे है। एक ऐसा देश जहा मातृदेवोभव:, पितृदेवोभव:, गुरुदेवोभव: के संस्कार हमारे प्राणों मे बसते थे। इसलिए अब वो समय आ गया है जब हम फिर से गुरु ओर शिष्य के बीच वो संबंध स्थापित करें जहां गुरु अपने शिष्य को अपने पुत्र की तरह प्रेम करे और शिष्य भी हृदय से गुरु का सम्मान करे।

इस पूरी व्यवस्था को सुधारने एवं फिर वही गौरव शाली मातृ, पितृ, गुरु एवं राष्ट्र भक्त व्यक्ति एवं राष्ट्र के निर्माण के लिये स्वामी जी ने पुन: गुरुकुल शिक्षा व्यवस्था का पुनर्गठन करने का दायित्व एवं संकल्प लिया है। जिसके प्रथम चरण के अंतर्गत 5 सितम्बर 2022 से 5 सितम्बर 2027 तक 5 वर्षो मे भारत मे 8 गुरुकुलों का निर्माण किया जाना है। अगले चरण मे भारत के सभी 773 जिलो की भौगोलिक एवं जनसँख्या स्थिति का आंकलन कर १०८ गुरुकुल संकल्पित हैं। प्रत्येक गुरुकुल मे 108 नियुक्तियां (शिक्षक, खेल प्रशिक्षक, क्लर्क, ड्राईवर, सुरक्षाकर्मी, चपरासी आदि) के अनुसार कुल 10064 (108x108=10064) नियुक्तियां आगामी वर्षो मे की जानी है।

अगर सूरज की तरह चमकना चाहते हो..!
तो पहले उसकी तरह जलना सीखो ..!!

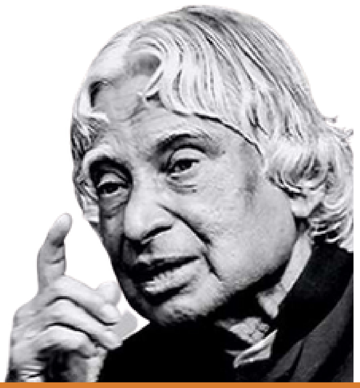

PROJECTIONS

5 गुरुकुलों के लिये जिला बागपत, शामली, मुजफ्फरनगर, गौतमबुध नगर व मेरठ मे दानस्वरूप भूमि प्राप्त हो चुकी है व दूसरे जनपदो से भी लोग भारत गुरुकुल निर्माण अभियान मे बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले रहे है।
शिक्षा के साथ साथ हमारा उद्देश्य गाँव गाँव से प्रतिभाओं की तलाश करके व उन्हे प्रशिक्षित करके खेलों मे उस स्तर तक पहुंचाना है जहां वो राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपना और देश का नाम रोशन कर सके। इसके लिए भारत गुरुकुल व Aryangateways Sports Foundation एक संयुक्त प्रयास कर रहा है।
भारत गुरुकुल व Aryangateways Sports Foundation के संयुक्त तत्वधान मे राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी निशानेवाज, धनुर्धर, कुश्ती, कबड्डी एवं एथिलिटो के प्रशिक्षण का अभियान भी जोरों पर चल रहा है।

भारत गुरुकुल मे भारतीय संस्कारो को दृष्टिगोचर रखते हुए आधुनिक पाठ्यक्रम के अनुसार शिक्षा प्रदान की जाएगी।

1) भारत गुरुकुल मे प्रत्येक विद्यार्थी के लिए भगवद गीता, नैतिक शिक्षा, संस्कार एवं राष्ट्र भक्ति एक विषय के रूप मे आवश्यक होगी।
2) पाठ्यक्रम सीबीएसई बोर्ड का होगा व गणित, विज्ञान एवं तकनीकी विषयो पर विशेष ज़ोर दिया जाएगा।
3) प्रत्येक विद्यार्थी को साईकिल, मोटर साईकिल, कार आदि वाहनो का प्रशिक्षण गुरुकुल के अंदर ही दिया जाएगा।
4) सभी खेलो की अंतर्राष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाए गुरुकुल प्रांगण मे उपलब्ध होंगी।
5) गुरुकुल मे सभी विद्यार्थियों को एक अच्छा इंसान वनाने के साथ साथ 100% रोजगार की गारंटी होगी।
6) विद्यार्थियों का विकास (वसुधैव कुटुम्बकम) की भावना के अनुसार एक सम्पूर्ण व्यक्तित्व के रूप मे किया जाएगा।
7) मातृ, पितृ, गुरु एवं राष्ट्र भक्ति की शपथ के साथ गुरुदक्षिणा का पर्व प्रत्येक वर्ष मनाया जाएगा।

JOURNEY FROM 2010-2022

Aryangateways Sports Foundation (AGSF) new projects

2022 *Get involved with sports !....live long ever after.....!!*

Talent Hunt program !

After COVID-19 people coming out of trauma slightly.

A big segment understood well the value of health and fitness which they get absolutely free in sports activities.

In 2021-2022 parents are keen towards the sports and want sport game as an extra curricular activity for their kids.

Aryangateways Sports Foundation is on duty to search the 'Sports Talent' specially in rural India. We arranging the camps & awareness programs time to time. Mostly venues are our facilities & the Schools in our operating area.

Arranging Sports Championships!

To 'promote' and 'develop' the Sports our foundation is regularly arranging the Sports Championship & Shooting Competition with the respected awards & cash prizes.

In 2022

1. Competition in Delhi
2. Competition in Sonipat (HR)
3. Championship in Hapur (UP)

Regular Camps:
Foundation held the 'Sports Camps' at native venue at Vill Angadpur-Johri (UP) 250611 where time bound classes and training program are used to arrange.
Foundation have the facility to stay and as well for the food for the players at the facility.

Free Coaching ! for players belongs to 'Financially Weaker' Section ....

As foundation believes that mostly good players comes from weaker section & villages.

As our duty we promote them for the respected game and provides the support as possible as we can

Not good to reveal names as it can effect the players's performance, foundation have its maximum students belongs to labor class, Small shop keepers & Marginal farmers

We never let their moral down.

Other Sports !

After fixing a 'Milestone' in the field of 'Target Shooting' since 2020 foundation seriously started to work on various games keeping in view the natural skill of students.

1. Shooting
2. Karate
3. Kabaddi
4. Boxing
5. Martial Art
6. Sports Meditation

****Special classes for girls for self defense by highly experienced coaches.**

We provide best coaches, Sport Psychologist, Best proved Sports Equipment's & Consumables' needed for coaching.

ARYAN GATEWAYS | BHARAT GURUKUL

Bharat Gurukul with Best Academics !

Foundation realized that there should be a balance between the 'Sports' & 'Academics' which used to be disturbed.

The 'Education system' of a nation determines its destiny & destination.

KEY GOALS:

- **Self-control & Mind Control.**
- **Building character**
- **Finding best talent inside.**
- **Knowledge & cultural preservation**
- **Personality development.**
- **Spiritual growth.**
- **Preservation of Cultural & Tradition learned.**

'Gurukul' itself is a way of life providing a value-based system instead of today's rank-based system full of comparison and enmity.

'Gurukuls' were not just a school to master the particular subjects. Gurukul system is ancient method of learning both theoretically & practically to the subject which is near to individual's natural talent.

Conclusion is that the ancient 'Gurukul' educational system was not only a 'degree attaining program' but it was a way of life to be a complete human being to serve the society with his talent and knowledge.

आओ आने वाली पीढ़ी को उनका गौरवपूर्ण भारतवर्ष पुन: प्रदान करें।

NEWS & MEDIA

Aryangateways Sports Foundation media 'Coverage'

TIMES of INDIA (Video)

NDTV (Video)

ANI (Video)